CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper 09 (2020-21)

Maximum Marks: 80
Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए

- इस प्रश्नपत्र में 2 खंड हैं खंड अ और खंड ब।
- खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड ब में कुल 8 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

   जिन व्यक्तियों ने आधुनिक भारत में औद्योगिक विकास का सूत्रपात किया, उनमें जमशेद जी टाटा का स्थान महत्वपूर्ण है। जमशेद जी टाटा का जन्म 3 मार्च, 1839 में गुजरात के एक पारसी परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम नसरवान टाटा था। उन दिनों देश में अग्रेजों का शासन था। 13 वर्ष की अवस्था में इनके पिता इन्हें बम्बई ले आए। वहीं पर इन्होंने अपनी शिक्षा-दीक्षा प्राप्त की। यहीं पर इनका विवाह हीराबाई नामक कन्या से हो गया। वहीं पर इन्होंने एक वकील के यहाँ नौकरी कर ली। बाद में वह नौकरी छोड़कर अपने पिता के व्यवसाय में हाथ बंटाने लगे। व्यवसाय के प्रति उनकी लगन तथा कर्मठता को देखकर उनके पिता की ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने व्यवसाय के संबंध में जमशेद को चीन भेजा। वहां हांगकांग तथा शंघाई में अपने व्यापार की शाखाएं खोलीं। 25 वर्ष की अवस्था में यह लंदन पहुँचे। वहाँ वह अपनी कंपनी की शाखाएँ खोलने के लिए भेजे गए थे। वहीं से उन्होंने लंकाशायर और मैनचेस्टर की यात्राएँ की। ये दोनों स्थान सूती वस्त्र उद्योग के लिए प्रसिद्ध थे। वहीं पर उन्होंने कारलाइल का भाषण सुना। उसने कहा-जिस देश का लोहे पर नियंत्रण हो जाता है, उनका शीघ्र ही सोने पर भी नियंत्रण हो जाता है। टाटा के मन में यह बात अच्छी तरह बैठ गई। उन्होंने सूती वस्त्र उद्योग और लौह उद्योग की योजनाएं बनाईं। जमशेद जी टाटा भारत में सूती वस्त्रोद्योग के जन्मदाता माने जाते हैं। भारत में उस समय मोटे कपड़े बनाए जाते थे। वह उच्च कोटि का कपड़ा बनाना चाहते थे। इस उद्देश्य से वह पुनः इंग्लैण्ड गए, वहाँ कपास की सफाई तथा कताई-बुनाई का कार्य देखा। कपास तथा कपड़े के मूल्य में जमीन आसमान का अंतर था। कपास भारत से सस्ते दाम पर बाहर भेजी जाती थी। यह देखकर उन्हें बड़ा कष्ट हुआ। उन्होंने सोचा कि भारत की कपास से भारत में ही कपड़ा निश्चय ही सस्ता पड़ेगा। उन्होंने नागपुर में कपड़े की मिल लगाई। टाटा ने अपनी दूरदर्शिता का परिचय दिया। उन्होंने कच्चे माल की सुलभता, बाजार की निकटता

तथा कोयला तथा पानी की सुलभता की दृष्टि से नागपुर का चयन किया। प्रारंभ में इनके समक्ष अनेक कठिनाइयाँ आईं पर वे घबराए नहीं। टाटा जी उद्योग के क्षेत्र में स्वदेशी आंदोलन के सूत्रधार थे। इनके मूल में उनकी स्वदेशी वस्तुओं के उद्योग की भावना भी काम कर रही थी। जमशेद जी बड़े उदार तथा दानशील व्यक्ति थे। उन्होंने मंदिरों, मस्जिदों, धर्मशालाओं के लिए ट्रस्ट की स्थापना की। कारखानों के मजदूरों के लिए उनके मन में अपार स्नेह था। उन्होंने उनके लिए क्वार्टर, विद्यालय, पुस्तकालय एवं चिकित्सालय की स्थापना की।

I. हीराबाई कौन थी?
   i. जमशेदजी की माता
   ii. जमशेदजी की बहन
   iii. जमशेदजी की पत्नी
   iv. जमशेदजी की पुत्री

II. जमशेदजी ने आरंभ में किसके यहाँ नौकरी की थी?
   i. एक मिल मालिक के यहाँ
   ii. एक वकील के यहाँ
   iii. एक कपड़े की दुकान में
   iv. एक स्कूल में

III. नसरवानजी कौन थे?
   i. जमशेदजी टाटा के भाई
   ii. जमशेदजी टाटा के चाचा
   iii. जमशेदजी टाटा के नाना
   iv. जमशेदजी टाटा के पिता

IV. जमशेदजी जब बम्बई आए तब उनकी उम्र क्या थी?
   i. 19 वर्ष
   ii. 21 वर्ष
   iii. 13 वर्ष
   iv. 15 वर्ष

V. जमशेदाजी टाटा का जन्म किस परिवार में हुआ था?
   i. एक मराठी परिवार में
   ii. एक ईरानी परिवार में
   iii. एक ईसाई परिवार में
   iv. इनमें से कोई भी नहीं

VI. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द 'शासन' का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है?
   i. नियंत्रण
   ii. सरकार

iii. हुकूमत
iv. उपर्युक्त सभी

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

भारतवर्ष ने कभी भी भौतिक वस्तुओं के संग्रह को बहुत अधिक महत्त्व नहीं दिया। उसकी दृष्टि में मनुष्य के भीतर जो आंतरिक तत्व स्थिर भाव से बैठा हुआ है, वही चरम और परम है। लोभ-मोह, काम-क्रोध आदि विकार मनुष्य में स्वाभाविक रूप से विद्यमान रहते हैं, पर उन्हें प्रधान शक्ति मान लेना और अपने मन और बुद्धि को उन्हीं के इशारे पर छोड़ देना, बहुत निकृष्ट आचरण है। भारतवर्ष ने उन्हें सदा संयम के बंधन से बाँधकर रखने का प्रयत्न किया है।

इस देश के कोटि-कोटि दरिद्र जनों की हीन अवस्था को सुधारने के लिए अनेक कायदे-कानून बनाए गए। जिन लोगों को इन्हें कार्यांवित करने का काम सौंपा गया वे अपने कर्तव्यों को भूलकर अपनी सुख-सुविधा की ओर ज़्यादा ध्यान देने लगे। वे लक्ष्य की बात भूल गए और लोभ, मोह जैसे विकारों में फँसकर रह गए। आदर्श उनके लिए मज़ाक का विषय बन गया और संयम को दकियानूसी मान लिया गया। परिणाम जो होना था, वह हो रहा है-लोग लोभ और मोह में पड़कर अनर्थ कर रहे हैं, इससे भारतवर्ष के पुराने आदर्श और भी अधिक स्पष्ट रूप से महान और उपयोगी दिखाई देने लगे हैं। अब भी आशा की ज्योति बुझी नहीं है। महान भारतवर्ष को पाने की संभावना बनी हुई है, बनी रहेगी।

I. मन में समाए विकारों को किसके सहारे वश में किया जाता है?
   i. संयम के बंधन के सहारे
   ii. मन के सहारे
   iii. लोभ के सहारे
   iv. मोह के सहारे

II. आंतरिक का विलोम होगा -
   i. अनान्तरिक
   ii. बाह्य
   iii. ग्राह्य
   iv. भीतरी

III. हमारे देश में चरम और परम किसे माना जाता है ? यह मान्यता पाश्चात्य देशों से किस तरह अलग है?
   i. मनुष्य में स्थित ग्राह्य स्थिर भाव
   ii. मनुष्य में स्थित बाह्य स्थिर भाव
   iii. मनुष्य में स्थित आन्तरिक स्थिर भाव
   iv. मनुष्य में स्थित चलायमान भाव

IV. देश में करोड़ों लोग गरीबी में क्यों जी रहे हैं?
   i. क्योंकि कोई उनकी ओर ध्यान नहीं देता

ii. क्योंकि वे गरीब रहना चाहते हैं
iii. क्योंकि उनके पास पैसा नहीं है
iv. क्योंकि उनकी दशा सुधारने वाले अपनी सुख सुविधा में लग गए

V. आदर्श एवं संयम को दकियानूसी कौन मान बैठे? इसका क्या परिणाम हुआ?
i. जो लक्ष्य की बात को भूल गए
ii. जो आधुनिक नहीं थे
iii. जो आधुनिक थे
iv. जो पुरातनपंथी थे

2. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

भारत में हरित क्रांति का मुख्य उद्देश्य देश को खाद्यान्न मामले में आत्मनिर्भर बनाना था, लेकिन इस बात की आशंका किसी को नहीं थी कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अंधाधुंध इस्तेमाल न सिर्फ खेतों में, बल्कि खेतों से बाहर मंडियों तक में होने लगेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का प्रयोग खाद्यान्न की गुणवत्ता के लिए सही नहीं है, लेकिन जिस रफ़्तार से देश की आबादी बढ़ रही है, उसके मद्देनज़र फ़सलों की अधिक पैदावार ज़रूरी थी। समस्या सिर्फ रासायनिक खादों के प्रयोग की ही नहीं है। देश के ज़्यादातर किसान परंपरागत कृषि से दूर होते जा रहे हैं। दो दशक पहले तक हर किसान के यहाँ गाय, बैल और भैंस खूटों से बँधे मिलते थे। अब इन मवेशियों की जगह ट्रैक्टर-ट्राली ने ले ली है। परिणामस्वरूप गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद खेतों में गिरनी बंद हो गई। पहले चैत-बैसाख में गेहूँ की फ़सल कटने के बाद किसान अपने खेतों में गोबर, राख और पत्तों से बनी जैविक खाद डालते थे। इससे न सिर्फ खेतों की उर्वरा-शक्ति बरकरार रहती थी, बल्कि इससे किसानों को आर्थिक लाभ के अलावा बेहतर गुणवत्ता वाली फसल मिलती थी।

I. हमारे देश में हरित क्रांति का उद्देश्य क्या था?
i. देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में उन्नत बनाना
ii. देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना
iii. देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में परतंत्र बनाना
iv. देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर न बनाना

II. खाद्यान्नों की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए किनका प्रयोग सही नहीं था?
i. रासायनिक उर्वरकों का
ii. कीटनाशकों का
iii. दोनों विकल्प सही हैं
iv. दोनों विकल्प सही नहीं हैं

III. विशेषज्ञ हरित क्रांति की सफलता के लिए क्या आवश्यक मानने लगे?
i. रासायनिक खाद का प्रयोग
ii. जैविक खाद का प्रयोग
iii. कृत्रिम खाद का प्रयोग
iv. प्राकृतिक खाद का प्रयोग

IV. रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक का प्रयोग क्यों आवश्यक हो गया?

a. हरित क्रांति के कारण

b. बढ़ती आबादी के कारण

c. घटती आबादी के कारण

d. फसल के कारण

V. हरित क्रांति का मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर क्या असर हुआ?

i. वह कम हो गई

ii. वह बढ़ गई

iii. वह औसत हो गई

iv. वह औसत से अधिक हो गई

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

साहित्य की शाश्वतता का प्रश्न एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या साहित्य शाश्वत होता है? यदि हाँ, तो किस मायने में? क्या कोई साहित्य अपने रचनाकाल के सौ वर्ष बीत जाने पर भी उतना ही प्रासंगिक रहता है, जितना वह अपनी रचना के समय था? अपने समय या युग का निर्माता साहित्यकार क्या सौ वर्ष बाद की परिस्थितियों का भी युग-निर्माता हो सकता है। समय बदलता रहता है, परिस्थितियाँ और भावबोध बदलते हैं, साहित्य बदलता है और इसी के समानांतर पाठक की मानसिकता और अभिरुचि भी बदलती है।

अत: कोई भी कविता अपने सामयिक परिवेश के बदल जाने पर ठीक वही उत्तेजना पैदा नहीं कर सकती, जो उसने अपने रचनाकाल के दोरान की होगी। कहने का तात्पर्य यह है कि एक विशेष प्रकार के साहित्य के श्रेष्ठ अस्तित्व मात्र से वह साहित्य हर युग के लिए उतना ही विशेष आकर्षण रखे, यह आवश्यक नहीं है। यही कारण है कि वर्तमान युग में इंगला-पिंगला, सुषुम्ना, अनहद, नाद आदि पारिभाषिक शब्दावली मन में विशेष भावोत्तेजन नहीं करती।

साहित्य की श्रेष्ठता मात्र ही उसके नित्य आकर्षण का आधार नहीं है। उसकी श्रेष्ठता का युगयुगीन आधार हैं, वे जीवन-मूल्य तथा उनकी अत्यंत कलात्मक अभिव्यक्तियाँ जो मनुष्य की स्वतंत्रता तथा उच्चतर मानव-विकास के लिए पथ-प्रदर्शक का काम करती हैं। पुराने साहित्य का केवल वही श्री-सौंदर्य हमारे लिए ग्राह्य होगा, जो नवीन जीवन-मूल्यों के विकास में सक्रिय सहयोग दे अथवा स्थिति-रक्षा में सहायक हो। कुछ लोग साहित्य की सामाजिक प्रतिबद्धता को अस्वीकार करते हैं।

वे मानते हैं कि साहित्यकार निरपेक्ष होता है और उस पर कोई भी दबाव आरोपित नहीं होना चाहिए। किंतु वे भूल जाते हैं कि साहित्य के निर्माण की मूल प्रेरणा मानव-जीवन में ही विद्यमान रहती है। जीवन के लिए ही उसकी सृष्टि होती है। तुलसीदास जब स्वांत:सुखाय काव्य-रचना करते हैं, तब अभिप्राय यह नहीं रहता कि मानव-समाज के लिए इस रचना का कोई उपयोग नहीं है, बल्कि उनके अंत:करण में संपूर्ण संसार की सुख-भावना एवं हित-कामना सन्तिहित रहती है। जो साहित्यकार अपने संपूर्ण व्यक्तित्व को व्यापक लोक-जीवन में सन्निविष्ट कर देता है, उसी के हाथों स्थायी एवं प्रेरणाप्रद साहित्य का सृजन हो सकता है।

I. पुराने साहित्य के प्रति अरुचि का क्या कारण है?

i. पाठकों की मानसिकता और अभिरुचि का बदलना

ii. समय का बदलना

iii. साहित्य का बदलना

iv. परिस्थितियाँ बदलना

II. जीवन के विकास में पुराने साहित्य का कोन-सा अंश स्वीकार्य नहीं है ?

i. जो नवीन परिस्थितियों में सहायक न हो

ii. जो नवीन जीवन मूल्यों के विकास में सहायक हो

iii. जो नवीन जीवन मूल्यों के विकास में सहायक न हो

iv. जो युग निर्माता हो

III. साहित्यकार कैसा होता है?

i. सापेक्ष

ii. अनपेक्ष

iii. निरपेक्ष

iv. अनुपेक्ष

IV. सामयिक परिवेश बदलने का कविता पर क्या प्रभाव पड़ता है?

i. वह नवीन हो जाती है

ii. वह उत्तेजना उत्पन्न नहीं करती

iii. वह उत्तेजना उत्पन्न करती है

iv. वह पुराणी हो जाती है

V. साहित्य की श्रेष्ठता के आधार क्या हैं?

i. वे जीवन मूल्य जो मानव के विकास में सहायक हैं

ii. वे जीवन मूल्य जो साहित्य के विकास में सहायक हैं

iii. वे जीवन मूल्य जो साहित्य के विकास में सहायक नहीं हैं

iv. वे जीवन मूल्य जो मानव के विकास में सहायक नहीं हैं

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वाक्य में कितने प्रकार के पदबंध आते हैं ?

a. पाँच

b. छह

c. तीन

d. चार

ii. 'मीरा **हिंदी की अध्यापिका** है। ' में कौन सा पदबंध है?

a. विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. क्रिया पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iii. 'मैं **<u>कल चार बजे</u>** पहुँच जाऊँगा।' में कौन सा पदबंध है।

a. क्रिया पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया विशेषण पदबंध

iv. 'वह नौकर से कपड़े **<u>धुलवा रही है</u>**।' में कौनसा पदबंध है ?

a. क्रिया विशेषण पदबंध

b. संज्ञा पदबंध

c. विशेषण पदबंध

d. क्रिया पदबंध

v. 'विशेषण पदबंध' का उचित उदाहरण कौन सा है ?

a. मैंने एक नई कार खरीदी

b. सब लोग मंदिर गए हैं

c. नृत्य करने वाली लडकियाँ चली गईं

d. वह बहुत धीरे चल रही है

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान करो-

a. वर्षा तब हुई, जब सुबह हुई।

b. सुबह होने पर वर्षा होने लगी।

c. सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

d. जैसे ही सुबह हुई, वर्षा होने लगी।

ii. इन वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. अगर तुम बैठे हो तो उसकी प्रतीक्षा कर लो।

b. तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

c. तू यहाँ बैठ कर उसकी प्रतीक्षा करो।

d. जब तुम यहाँ बैठो. तो उसकी प्रतीक्षा कर लेना।

iii. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्यों की पहचान कीजिए-

a. क्योंकि नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

b. नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

c. नीलू बीमार होने के कारण बाज़ार नहीं गई।

d. नीलू तब बाज़ार नहीं गई, जब वह बीमार थी।

iv. निम्नलिखित वाक्यों में संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. मैं गले में दर्द होने के कारण कुछ नहीं बोलूँगा।

b. क्योंकि मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

c. मेरे गले में दर्द है। मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

d. मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

v. निम्नलिखित वाक्यों में से संयुक्त वाक्य की पहचान कीजिए-

a. यद्यपि कल छुट्टी है, इसलिए बाज़ार बंद रहेगा।

b. जब छुट्टी होगी, तब बाज़ार बंद रहेगा।

c. छुट्टी होने के कारण बाज़ार बंद रहेगा।

d. कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. जिस समस्त पद के विग्रह में कारकीय चिह्नों का प्रयोग किया जाता है-

a. तत्पुरुष

b. कर्मधारय

c. द्विगु

d. द्वंद्व

ii. जिस समास का पहला पद अव्यय होता है, ________कहलाता है।

a. अव्ययीभाव समास

b. बहुव्रीहि समास

c. तत्पुरुष समास

d. द्वंद्व समास

iii. जिस पद में पूर्व पद विशेषण और उत्तर पद विशेष्य होता है।

a. कर्मधारित समास

b. कर्मधारण समास

c. कर्मधारय समास

d. कर्मधरय समास

iv. जिस समास में पूर्व पद संख्यावाची होता है।

a. द्विगु समास

b. तत्पुरुष समास

c. द्वंद्व समास

d. कर्मधारय समास

v. इस समास में पूर्व पद व उत्तर पद की अपेक्षा कोई अन्य पद प्रधान होता है।

a. कर्मधारय समास

b. बहुव्रीहि समास

c. द्वंद्व समास

d. द्विगु समास

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. हाथ से जाने न देना

a. अवसर का लाभ उठाना

b. किसी के हाथ बाँधना

c. कसकर पकड़े रखना

d. हाथ में पकड़ना

ii. अच्छी तरह पढ़ना

a. शब्द जानना

b. शब्द पढ़ना

c. शब्द चाटना

d. शब्द खाना

iii. चुप हो जाना

a. मुँह शांत होना

b. मुँह चलाना

c. मुँह बंद होना

d. मुँह से कुछ न बोलना

iv. आँख फोड़ना

a. आँख से दिखाई न देना

b. आँख पर चोट लगना

c. किसी की आँख घायल करना

d. बहुत ध्यान से पढ़ना

v. ________वालों को एक दिन पछताना पड़ता है।

a. बिना सोच-समझे जाने

b. बेराह चलने

c. बेकार काम करने

d. राह पर चलने वालों

7. **निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

पावस ऋतु थी, पर्वत प्रदेश,
पल-पल परिवर्तित प्रकृति-वेश।

मेखलाकर पर्वत अपार

अपने सहस्त्र दृग-सुमन फाड़,
अवलोक रहा है बार-बार
नीचे जल में निज महाकार,

-जिसके चरणों में पला ताल
दर्पण सा फैला है विशाल!

I. पर्वत प्रदेश में किस ऋतु का वर्णन किया गया है?
   i. ग्रीष्म ऋतु
   ii. शरद ऋतु
   iii. वसंत ऋतु
   iv. वर्षा ऋतु

II. <u>विशाल दर्पण</u> कहकर किसे संबोधित किया गया है?
   i. एक बड़े दर्पण को
   ii. तालाब को
   iii. आसमान को
   iv. बादलों को

III. <u>'अपने सहस्त्र दृग-सुमन फाड़,'</u> का क्या तात्पर्य?
   i. फूल रूपी आँखें
   ii. आँखों से फूल को देखना
   iii. आकाश की ओर देखना
   iv. फूल रूपी आँखों से देखना

IV. <u>अवलोक</u> का क्या अर्थ है?
   i. आईना
   ii. एकटक
   iii. देखना
   iv. फेन का गिरना

8. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

पहले दस-पंद्रह मिनट तो मैं उलझन में पड़ा। फिर देखा, दिमाग की रफ़्तार धीरे-धीरे धीमी पड़ती जा रही है। थोड़ी देर में बिलकुल बंद भी हो गई। मुझे लगा, मानो अनंतकाल में मैं जी रहा हूँ। यहाँ तक कि सन्नाटा भी मुझे सुनाई देने लगा। अकसर हम या तो गुज़रे हुए दिनों की खट्टी-मीठी यादों में उलझे रहते हैं या भविष्य के रंगीन सपने देखते रहते हैं। हम या तो भूतकाल में रहते हैं या भविष्यकाल में। असल में दोनों काल मिथ्या हैं। एक चला गया है, दूसरा आया नहीं है। हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था। और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था। जीना किसे कहते हैं, उस दिन मालूम हुआ। झेन परंपरा की

यह बड़ी देन मिली है जापानियों को!

I. अनंतकाल जितना विस्तृत क्या था?
   i. वर्तमान क्षण
   ii. भविष्य काल
   iii. भूतकाल
   iv. सन्नाटा

II. खट्टी मीठी यादो में उलझे रहने का क्या तात्पर्य है?
   i. भविष्य के सपने देखना
   ii. जीना क्या है
   iii. गुजरे हुए यादों के दिनों में रहना
   iv. चाय पीना

III. चाय पीने के दस पंद्रह मिनट बाद क्या हुआ?
   i. दिमाग के रफ्तार का तेज होना
   ii. वातावरण का शांत हो जाना
   iii. मानसिक तनाव से बचना
   iv. मस्तिष्क वर्तमान में जीने लगा

IV. जीना किसे कहते हैं?
   i. भूतकाल में जीना
   ii. केवल वर्तमान में जीना
   iii. उलझन में पड़ना
   iv. दिमाग का बंद हो जाना

V. जापानियों को किसकी बहुत बड़ी देन मिली है?
   i. झेन परंपरा की
   ii. जयजयवंती के सुर की
   iii. चाय पीने की
   iv. मानसिक रोग से बचने की

9. **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

तताँरा लहूलुहान हो चुका था... वह अचेत होने लगा और कुछ देर बाद उसे कोई होश नहीं रहा। वह कटे हुए द्वीप के अंतिम भूखंड पर पड़ा हुआ था जो कि दूसरे हिस्से से संयोगवश जुड़ा था। बहता हुआ तताँरा कहाँ पहुँचा, बाद में उसका क्या हुआ कोई नहीं जानता। इधर वामीरो पागल हो उठी। वह हर समय ततांरा को खोजती हुई उसी जगह पहुँचती और घंटों बैठी रहती। उसने खाना-पीना छोड़ दिया। परिवार से वह एक तरह विलग हो गई। लोगों ने उसे ढूँढ़ने की बहुत कोशिश की किंतु कोई सुराग न मिल सका। आज न ततॉरा है न वामीरो किंतु उनकी यह प्रेमकथा घर-घर में सुनाई जाती है। निकोबारियों का मत है कि ततॉरा की तलवार से कार-निकोबार के जो टुकड़े हुए, उसमें दूसरा लिटिल अंदमान है जो कार-निकोबार से आज 96 कि.मी.

दूर स्थित है। निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँवों में भी आपसी वैवाहिक संबंध करने लगे। तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु शायद इसी सुखद परिवर्तन के लिए थी।

I. निकोबारी दूसरे गाँवों में वैवाहिक संबंध क्यों करने लगे?
   i. बदलती पीढ़ी के कारण
   ii. शाप के कारण
   iii. तताँरा-वामीरो के त्याग के कारण
   iv. पशु पर्व के कारण

II. कौन सी घटना ने वामीरो को पागल बना दिया?
   i. तताँरा का नहीं मिलना
   ii. तताँरा से विवाह
   iii. परिवार से अलग होना
   iv. द्वीप का बँट जाना

III. निकोबारियों के अनुसार कार-निकोबार का दूसरा टुकड़ा कहाँ है?
   i. लिटिल अंडमान
   ii. द्वीप का अंतिम भूखंड
   iii. दूसरे गाँव में
   iv. 96 किमी दूर

IV. आज भी घर-घर में क्या सुनाई जाती है?
   i. तताँरा की वीरता
   ii. तताँरा-वामीरो की प्रेमकथा
   iii. वामीरो के गीत
   iv. विवाह की कथा

V. कौन अचेत होने लगा था?
   i. तताँरा
   ii. वामीरो
   iii. वामीरो की माँ
   iv. गाँववासी

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:
   i. बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों? बड़े भाई साहब पाठ के आधार पर लिखिए।
   ii. निकोबारी जनजाति की आदिम संस्कृति का अपने शब्दों में तताँरा-वामीरो की कथा के आधार पर वर्णन कीजिए।
   iii. प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में आप क्या सहयोग दे। सकते हैं? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर लिखिए।

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए:
मनुष्यता कविता में कवि ने मनुष्य के किस कृत्य को अनर्थ कहा है और क्यों?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:
   i. सपनों के-से दिन पाठ से पाठक को क्या संदेश मिलता है? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
   ii. कथावाचक और हरिहर काका के बीच क्या संबंध है और इसके क्या कारण हैं?
   iii. मानवीय मूल्यों के आधार पर इफ्फ़न और टोपी शुक्ला की दोस्ती की समीक्षा कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:
   i. **करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।
      - परिश्रम का महत्त्व
      - प्रतिभा का आधार
      - सफलता का रहस्य
   ii. **भारत में बाल मज़दूरी की समस्या** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
      - बाल मज़दूरी का अर्थ
      - बाल मज़दूरी के कारण
      - बाल मज़दूरी को दूर करने के उपाय
   iii. **आतंकवाद : समस्या और समाधान** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।
      - ज्वलंत समस्या क्यों?
      - आतंकवाद की जड़
      - समाधान क्या हो

14. किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सुझाव देते हुए पत्र लिखिए।

OR

किसी प्रकाशक से पुस्तकें मगवाने के लिए एक व्यावसायिक पत्र लिखिए।

15. आपके विद्यालय में वार्षिकोत्सव आयोजित करने पर विचार करने के लिए प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों की एक सभा बुलाई है। इस आशय की सूचना 25-30 शब्दों में जारी करें।

OR

आप जैन भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली के कैप्टन अमित सक्सेना हैं। आपके विद्यालय में 25 मार्च, 2019 को वार्षिक समारोह का आयोजन होगा। सभी विद्यार्थियों को सूचित करते हुए 20-30 शब्दों में सूचना लिखिए, जिसमें विद्यार्थियों को वार्षिक उत्सव में भाग लेने के लिए कहा गया हो।

16. ए.टी.एम. केंद्रों पर सावधानी बरतने संबंधी निर्देश देते हुए पंजाब नेशनल बैंक की ओर से लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन

तैयार कीजिए।

OR

चाय विक्रेता हेतु एक विज्ञापन लगभग 25-50 शब्दों में बनाइए।

17. **मैं और मेरी लेखनी** विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

OR

नारी का संघर्ष विषय पर लगभग 100-120 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

CBSE Class 10 - Hindi B
Sample Paper 09 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (iii) जमशेदजी की पत्नी
   II. (ii) एक वकील के यहाँ
   III. (iv) जमशेदजी टाटा के पिता
   IV. (iii) 13 वर्ष
   V. (iv) इनमें से कोई भी नहीं
   VI. (iv) उपर्युक्त सभी

OR

   I. (i) संयम के बंधन के सहारे
   II. (ii) बाह्य
   III. (iii) मनुष्य में स्थित आंतरिक स्थिर भाव
   IV. (iv) क्योंकि उनकी दशा सुधारने वाले अपनी सुख सुविधा में लग गए
   V. (i) जो लक्ष्य की बात भूल गए

2. I. (i) देश को खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना
   II. (iii) दोनों विकल्प सही हैं
   III. (i) रासायनिक खाद का प्रयोग
   IV. (ii) बढ़ती आबादी के कारण
   V. (i) वह कम हो गई

OR

   I. (i) पाठकों की मानसिकता और अभिरुचि का बदलना
   II. (iii) जो नवीन जीवन मूल्यों के विकास में सहायक न हो
   III. (iii) निरपेक्ष
   IV. (ii) वह उत्तेजना उत्पन्न नहीं करती
   V. (i) वे जीवन मूल्य जो मानव के विकास में सहायक हैं

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (d) पाँच

Explanation: संज्ञा पदबंध, सर्वनाम पदबंध, विशेषण पदबंध, क्रिया विशेषण पदबंध, क्रिया पदबंध

ii. (b) संज्ञा पदबंध

Explanation: संज्ञा पद में यदि विशेषण पद जोड़ दिया जाता है तो संज्ञा पदबंध बन जाता है।

iii. (d) क्रिया विशेषण पदबंध

Explanation: वह पदबंध जो क्रियाविशेषण पद के स्थान पर प्रयुक्त होकर वही कार्य करता है जो अकेला एक क्रियाविशेषण पद कर रहा था, तब उसे क्रिया विशेषण पदबंध कहते हैं।

iv. (d) क्रिया पदबंध

Explanation: कोई भी 'क्रिया' शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होता है तब उसमें 'सहायक क्रिया ' के प्रत्यय जुड़ते हैं। इस तरह मुख्य क्रिया तथा सहायक क्रिया से युक्त पूरी रचना अपने में पदबंध ही होती है।

v. (a) मैंने एक नई कार खरीदी

Explanation: क्योंकि इसमें विशेषण का समूह आया है अतः यही विशेषण पदबंध का सही उदाहरण है।

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) सुबह हुई और वर्षा होने लगी।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य 'योजक' शब्दों द्वारा जुड़े होते हैं और उनका अपना स्वतंत्र अस्तित्व होता है। इस विकल्प में 'और' योजक शब्द का प्रयोग दो वाक्यों को जोड़ने के लिया किया जा रहा है, इसलिए यह संयुक्त वाक्य है।

ii. (b) तुम यहाँ बैठ जाओ और उसकी प्रतीक्षा करो।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि संयुक्त वाक्य योजक शब्द के द्वारा जुड़े होने पर भी अपना स्वतंत्र अस्तित्व रखते हैं और उनसे पूरे अर्थ का बोध होता है। इस विकल्प में भी दोनों वाक्य स्वतंत्र है किन्तु संयुक्त वाक्य बनाने के लिए समुच्चयबोधक अव्यय 'और' का प्रयोग किया गया है।

iii. (b) नीलू बीमार थी इसलिए बाज़ार नहीं गई।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे हैं।

iv. (d) मेरे गले में दर्द है इसलिए मैं कुछ नहीं बोलूँगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि इसमें दोनों वाक्य 'इसलिए' योजक शब्द से जुड़े हैं पर वे एक दूसरे पर आश्रित नहीं हैं। वे दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है। इनके बीच कार्य और कारण का संबंध है।

v. (d) कल छुट्टी है अतः बाज़ार बंद रहेगा।

Explanation: यह विकल्प सही है क्योंकि दोनों वाक्य 'अतः' योजक शब्द से जुड़े हैं और दोनों अपने स्वतंत्र अर्थ को स्पष्ट कर रहे है।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) तत्पुरुष

Explanation: तत्पुरुष, उदाहरण- दानपेटी = दान <u>के लिए</u> पेटी।

ii. (a) अव्ययीभाव समास

Explanation: अव्ययीभाव समास

उदाहरण- आमरण = आ + मरण

अर्थ- मरण तक

iii. (c) कर्मधारय समास

Explanation: कर्मधारय समास

उदाहरण- लालमिर्च = लाल है जो मिर्च

लाल- विशेषण

मिर्च- विशेष्य

iv. (a) द्विगु समास

Explanation: द्विगु समास

उदाहरण- त्रिकोण = तीन कोनों का समाहार (समूह)

v. (b) बहुब्रीहि समास

Explanation: बहुब्रीहि समास

उदाहरण- गिरिधर = गिरि को धारण करने वाला अर्थात श्रीकृष्ण।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (a) अवसर का लाभ उठाना

Explanation: अवसर का लाभ उठाना - उसने सरकारी नौकरी के बुलावे को हाथ से जाने नहीं दिया।

ii. (c) शब्द चाटना

Explanation: शब्द चाटना - परीक्षा की तैयारी करते हुए रामू ने एक-एक शब्द चाट लिए।

iii. (c) मुँह बंद होना

Explanation: मुँह बंद होना - सभा में रामप्रसाद ने अपने तर्कों से विरोधियों के मुँह बंद कर दिए।

iv. (d) बहुत ध्यान से पढ़ना

Explanation: बहुत ध्यान से पढ़ना - मैंने आँखें फोड़ कर पढ़ाई की।

v. (b) बेराह चलने

Explanation: बेराह चलने - नियमों को न मानने वाले/अपने हिसाब से चलने वाले

7. I. (iv) वर्षा ऋतु
   II. (ii) तालाब को
   III. (i) फूल रूपी आँखें
   IV. (iii) देखना

8. I. (i) वर्तमान क्षण
   II. (iii) गुजरे हुए यादों के दिनों में रहना
   III. (iv) मस्तिष्क वर्तमान में जीने लगा
   IV. (ii) केवल वर्तमान में जीना

V. (i) झेन परंपरा की

9. I. (iii) तताँरा-वामीरो के त्याग के कारण

II. (i) तताँरा का नहीं मिलना

III. (iv) 96 किमी दूर

IV. (ii) तताँरा-वामीरो की प्रेमकथा

V. (i) तताँरा

खंड-ब वर्णनात्मक प्रश्न

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए:

i. बड़े भाई साहब छोटे भाई को सलाह देते थे कि उसे दिन-रात पढ़ना चाहिए और खेलकूद से दूर रहना चाहिए, क्योंकि इससे समय व्यर्थ में नष्ट होता है। यदि मेहनत नहीं करोगे तो उसी दरजे में पड़े रहोगे। ऐसा वह अपने छोटे भाई को सही रास्ते पर लाने के लिए करते थे।

ii. निकोबार द्वीपसमूह निकोबारी जाति की आदिम संस्कृति का केंद्र है। निकोबारी जनजाति की अपनी एक अलग संस्कृति है इस संस्कृति के अनुसार वहां एक परंपरा है जिसके तहत एक गाँव के युवक या युवती की शादी दूसरे गाँव में नहीं हो सकती। प्रत्येक वर्ष पशु-पर्व का आयोजन होता है जिसमें में पशुओं के साथ युवकों की शक्ति प्रदर्शन प्रतियोगिता होती थी | इस पर्व में सभी गांव वाले अत्यंत उत्साह से हिस्सा लेते थे। नृत्य-संगीत के साथ भोजन का आयोजन भी होता था।

iii. प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए हम निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं:

a. वृक्षों को नहीं काटना चाहिए और समय-समय पर नए वृक्ष लगाते रहना चाहिए ।

b. प्राकृतिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए ।

c. अपने आसपास के वातावरण को साफ और स्वच्छ रखना चाहिए

11. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए: 'मनुष्यता' कविता में कवि ने मनुष्य को यह बताने का प्रयास किया है कि सभी मनुष्य आपस में भाई-भाई हैं। इस सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि सबको जन्म देने वाला ईश्वर एक है। पुराणों में भी इस बात के प्रमाण हैं कि सृष्टि का रचनाकार वही एक है। वह सारे जगत का अजन्मा पिता है। फिर मनुष्य-मनुष्य में थोड़ा-बहुत जो भेद है। वह उसके अपने कर्मों के कारण है परंतु एक ही ईश्वर या आत्मा का अंश उनमें समाए होने के कारण सभी एक हैं। इतना जानने के बाद भी कोई मनुष्य दूसरे मनुष्य की अर्थात् अपने भाई की मदद न करे और उसकी व्यथा दूर न करे तो वह सबसे बड़े अनर्थ हैं। इसका कारण यह है कि ऐसा न करके मनुष्य अपनी मनुष्यता को कलंकित करता है।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए:

i. लेखक पाठ के माध्यम से पाठक को बच्चों के मनोविज्ञान के विषय में अवगत कराया है। इस पाठ के माध्यम से हम शिक्षा के मूल्यों, अनुशासन, जीवन में खेल-कूद के महत्व से परिचित होते हैं। इसके अतिरिक्त रूढ़िगत शिक्षा प्रणाली के कमियों को उजागर करते हुए वर्तमान में शिक्षा प्रणाली को सुधारने का संदेश दिया गया है। साथ ही काम पढ़े- लिखे अभिभावकों को शिक्षा के महत्व को बताने का प्रयास किया गया है।

ii. कथावाचक और हरिहर के बीच मधुर, आत्मीय और गहरे संबंध है। इस संबंध के मुख्य कारण थे- कथावाचक और हरिहर काका का पड़ोसी होना, बचपन में हरिहर काका का कथावाचक को खूब प्यार और दुलार देना था तथा बड़ा होने पर कथावाचक और हरिहर काका का आपस में मित्रता का संबंध स्थापित हो जाना जिसके कारण हरिहर काका और

कथावाचक आपस में खुलकर बातचीत करते थे।हरिहर काका अपना प्रत्येक सुख-दुःख और अनुभव कथावाचक से ही बाँटते थे।

iii. a. धर्म , भाषा, रहन -सहन, खान -पान, पारिवारिक वातावरण आदि पूर्णतः भिन्न होने के बावजूद भी दोनों में मित्रता गहरी थी।

b. दोनों मन से दोस्त थे, उनका संबंध आंतरिक था बाह्य नहीं।

c. टोपी इफ़्फ़न के घर का खाना कभी नहीं खाता था, परंतु इसका उनकी दोस्ती पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा।

d. दोनों एक दूसरे की भावनाओं को समझते थे और परस्पर उनका सम्मान करते थे।

e. घर में 'अम्मी' शब्द कहने पर टोपी ने मार खाई परंतु इफ़्फन के घर न जाने के लिए नहीं माना।

13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. किसी भी विशेष क्षेत्र या विषय में जीवन में सफल होने के लिए, पूरी प्रतिबद्धता और योजनाबद्ध रणनीतियों के साथ नियमित रूप से अभ्यास करने की आवश्यकता है। सफलता पाना कोई आसान घटना नहीं है; इसके लिए ज्ञान, कौशल और सबसे महत्वपूर्ण है नियमित अभ्यास। यदि आप एक विश्व-स्तरीय प्रसिद्ध संगीतकार बनना चाहते हैं, तो आपको एक उपकरण खरीदने, एक अच्छे शिक्षक की व्यवस्था करने, सीखने और आवश्यक घंटों के लिए दैनिक अभ्यास करने की आवश्यकता है।

कोई शक्ति नहीं है जो आपको केवल जन्मजात कौशल या क्रिकेट के बारे में पूरी जानकारी के माध्यम से कपिल देव या सचिन तेंदुलकर बना सकती है। आप प्रतिबद्ध अभ्यास के बिना लक्ष्य तक नहीं पहुँच सकते। एक अच्छे और उच्च कुशल कोच के मार्गदर्शन में क्रिकेट का अभ्यास करने के लिए आपको हर दिन घंटों क्रिकेट मैदान में जाना होगा।

आपको उसी काम में पूर्णता लाने के लिए बहुत कम गलतियों का ध्यान रखने की ज़रूरत है जो आप कर रहे हैं और साथ ही साथ अपने मार्गदर्शक का सम्मान करें। यदि हम सफल लोगों की सूची देखते हैं, तो हम देखते हैं कि उनके काम में पूरी प्रतिबद्धता के साथ नियमित अभ्यास और भागीदारी है। बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक या रैंक हासिल करने वाले छात्रों ने पूरे साल योजनाबद्ध टाइम टेबल और खुली आंखों से पढ़ाई की है।

उन्होंने अपने पाठ्यक्रम को संशोधित और पुन: संशोधित किया है और सभी विषयों में खुद को परिपूर्ण बनाया है। नियमित अभ्यास का कोई विकल्प नहीं है जो किसी को भी परिपूर्ण बना सके। अभ्यास के बिना आप केवल औसत प्रदर्शन दे सकते हैं लेकिन किसी भी काम में सही प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। यह शत-प्रतिशत सत्य हैं कि परिश्रम के द्वारा सभी कार्य संभव है। यदि मनुष्य कोई भी काम कठोर परिश्रम से करे तो वो जरूर सफलता प्राप्त करता है।

ii. 'बाल मज़दूरी' से तात्पर्य ऐसी मज़दूरी से है, जिसके अंतर्गत 5 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चे किसी संस्थान में कार्य करते हैं। जिस आयु में उन बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए, उस आयु में वे किसी दुकान रेस्टोरेंट पटाखे की फैक्टरी, हीरे तराशने की फैक्टरी, शीशे का सामान बनाने वाली फैक्टरी आदि में काम करते हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में बाल मजदूरी के अनेक कारण हैं। अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा का महत्त्व न समझ पाने के कारण अपने बच्चों को मज़दूरी करने के लिए भेज देते हैं। जनसंख्या वृद्धि बाल मज़दूरी का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। निर्धन परिवार के सदस्य पेट भरने के लिए छोटे-छोटे बच्चों को काम पर भेज देते हैं।

भारत में बाल मज़दूरी को गंभीरता से नहीं लिए जाने के कारण इसे प्रोत्साहन मिलता है। देश में कार्य कर रही सरकारी, गैर-सरकारी और निजी संस्थाओं की इस समस्या के प्रति गंभीरता दिखाई नहीं देती। बाल मज़दूरी की समस्या का

समाधान करने के लिए सरकार कड़े कानून बना सकती है। समाज के निर्धन वर्ग को शिक्षा प्रदान करके बाल मज़दूरी को प्रतिबंधित किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण कर भी बाल मज़दूरी को नियंत्रित किया जा सकता है। ऐसी संस्थाओं को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए, जो बाल मज़दूरी का विरोध करती हैं या बाल मज़दूरी करने वाले बच्चों के लिए शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम चलाती हैं।

iii. बन्दूक, मशीन गन, तोपें, एटम बोम, हाईड्रोजन बम, परमाणु हथियार, मिसाइल आदि का अधिक मात्रा में निर्माण होना। आबादी का तेजी से बढ़ना, राजनैतिक, सामाजिक, अर्थव्यवस्था देश की व्यवस्था के प्रति असंतुष्ट, शिक्षा की कमी, गलत संगति, बहकावे में आना आतंकवाद के इसके अलावा बहुत से कारण हो सकते है। आजकल अपनी बात को मनवाने व सही साबित करने के लिए आतंकवाद को ही पहला हथियार बनाया जाता है। आतंकवादी के अंदर समाज, देश के प्रति विद्रोह, असंतोष होता है। भ्रष्टाचार, जातिवाद, आर्थिक विषमता, भाषा का मतभेद ये सब आतंकवाद के मूल तत्व है, इन्हीं के बाद आतंकवाद पनपता है।

आतंकवाद का मुख्य उद्देश्य सामाजिक व राजनैतिक सिस्टम को आहात पहुँचाना है। आतंकवाद का असर सबसे ज्यादा आम जनता को होता है। जिसमें कितने ही निर्दोष लोगों को अपनी जान गवानी पड़ती है। आतंकवादी समूह देश की सरकार को बताने के लिए ये सब करते है, लेकिन जिस पर वे ये जुल्म ढाते है, वे उन्हीं के भाई बहन होते है, मासूम होते है, जिनका सरकार, आतंकवाद से कोई लेना देना नहीं होता है। एक बार ऐसा कुछ देखने के बाद इन्सान के मन में जीवनभर के लिए डर पैदा हो जाता है, वो घर से निकलने तक में हिचकता है। माँ को डर लगा रहता है, उसका बच्चा घर वापस आएगा की नहीं।

धर्म को सही ढंग से समझना होगा। मानवजाति धर्म, जातिवाद के भंवर में इस कदर फंस गई है, कि धर्म के उपर इंसानियत के बारे में सोचती ही नहीं है। धर्म हमारी सुविधा के लिए है, धर्म अच्छी शिक्षा, ज्ञान की बातें इंसानियत सिखाता। हमें धर्म, जाति के उपर इंसानियत को रखना चाहिए। दुनिया में प्यार से बड़ी कोई चीज नहीं है, कहते है 'भगवान् प्यार है, प्यार ही भगवान् है'। गॉड ने हमें अपने आस पास अपने पड़ोसी से प्यार करने की शिक्षा दी है, वो हमें कहता है "दूसरों की गलती माफ़ करो जैसे मैं करता हूँ"। सबका समान रूप से सम्मान करो। अगर हम भगवान की बात का सही मतलब समझेंगें, तो देश दुनिया से आतंकवाद जैसी कुरीथियां निकल जाएगी और चारों तरफ प्यार होगा।

14. परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
दिल्ली।
विषय सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के संदर्भ में।
महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय समाचार-पत्र के माध्यम से सरकार और समाज का ध्यान बढ़ती हुई सड़क दुर्घटनाओं की ओर आकर्षित

करना चाहता हूँ। आशा है कि आप इसे जनहित में अवश्य प्रकाशित करेंगे। इन दिनों दिल्ली में सड़क दुर्घटनाएँ काफ़ी बढ़ गई हैं। वाहन चालक यातायात के नियमों का खुला उल्लंघन करते हैं। उन्हें रोकने-टोकने वाला कोई नहीं है। दुर्घटनाओं को रोकने के संबंध में मैं निम्नलिखित सुझाव देना चाहता हूँ।

i. प्रातः 8 से 12 बजे तक तथा सायं 5 से 8 बजे तक सभी व्यस्त चौराहों पर यातायात पुलिस के सिपाही उपस्थित रहें। और वे नियम का उल्लंघन करने वालों का चालान करें।
ii. वाहन चलाते हुए मोबाइल से बात करने वालों का तुरंत चालान कर देना चाहिए।
iii. दो बार से अधिक कोई भी नियम भंग करने वाले चालक का ड्राइविंग लाइसेंस ज़ब्त कर लिया जाना चाहिए।
iv. ऐसे वाहन चालकों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए, जो अपने वाहन को निर्धारित गति सीमा में चलाते हों तथा किसी प्रकार के नियम भंग न करते हों।
v. जनता से ऐसे वाहन चालकों के वाहन नंबर नोट करके यातायात पुलिस को देने की अपील करनी चाहिए, जो सड़क पर वाहन चलाते समय नियमों का उल्लंघन करते हों।

धन्यवाद।
भवदीय
कार्तिक

OR

परीक्षा भवन,
दिल्ली।
दिनांक 13 मार्च, 2019

सेवा में,
प्रकाशक महोदय,
अग्रदूत प्रकाशन हाउस,
रेलवे रोड, नई दिल्ली।
विषय पुस्तकें मँगवाने हेतु।
महोदय,

मैं सर्वोदय विद्यालय, दिल्ली का कक्षा दसवीं का विद्यार्थी हैं। | मुझे निम्नलिखित पुस्तकों की आवश्यकता है। अतः अपसे | विनम्र अनुरोध है कि ये पुस्तकें शीघ्र ही वी.पी.पी. द्वारा भेजने का कष्ट करें। कृपया पुस्तकों का उचित शुल्क लगाकर ही बिल संलग्न करें। पुस्तकों की सूची इस प्रकार हैं।

1. गोदान = 2 प्रति
2. पाठ्य पुस्तक स्पर्श भाग-1 = 2 प्रति

3. पूरक पुस्तक संचयन भाग-1 = 3 प्रति

ध्यान रहे कि कोई भी पुस्तक कटी-फटी न हो तथा ज़िल्द अच्छे से चढ़ी हो। मैं आश्वासन देता हूँ कि वी. पी. पी. प्राप्त होते ही तुरंत उचित भुगतान कर दूंगा। सधन्यवाद।

भवदीया

कोमल

15.

सूचना

श्री गुरुतेग बहादुर विद्या निकेतन

नानक पूरा, दिल्ली

दिनांक ....

सभी विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय में वार्षिकोत्सव आयोजित करने के कार्यक्रम तय करें एवं उससे संबंधित अन्य मसलों/मुद्दों पर विचार विमर्श के लिए आप भोजनावकाश के बाद विद्यालय सभागार में उपस्थित हों। सबकी उपस्थिति अनिवार्य है। वार्षिकोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी अपने-अपने सुझाव देने के लिए स्वतंत्र है।

प्रधानाचार्य

ह० . . . .

श्री गुरुतेग बहादुर विद्या निकेतन

नानक पूरा, दिल्ली

OR

जैन भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली

सूचना

दिनांक 11 मार्च, 2019

वार्षिक समारोह का आयोजन

सभी विद्यार्थियों को यह सूचित किया जाता है कि 25 मार्च, 2019 को हमारे विद्यालय में बीसवें वार्षिकोत्सव का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा अन्य प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थी 12 अप्रैल, 2019 तक संगीत शिक्षिका श्रीमती छाया यादव को संपर्क कर सकते हैं।

अमित सक्सेना

स्कूल कैप्टन

16.

सावधान ! सावधान ! सावधान ! सावधान !

पंजाब नेशनल बैंक, गोविन्दम् नगर

ए.टी.एम. केंद्रों पर जाने से पहले निम्नलिखित सावधानी बरतें

अपना पिन कोड किसी को न बताएँ

किसी अनजान व्यक्ति की कभी सहायता न लें

अपना कार्ड किसी को न दें

जाँच लें कि ए.टी.एम. केंद्र में कोई विद्युत यंत्र तो नहीं लगा है

जाँच लें कि कोई आपकी निगरानी तो नहीं कर रहा है

लेन-देन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद कैंसिल बटन को दबाना न भूलें

सावधान रहें, सुरक्षित रहें

सावधानी में ही सुरक्षा है

पंजाब नेशनल बैंक द्वारा जनहित में जारी!

सावधान ! सावधान ! सावधान !

किसी विशेष परिस्थिति या संदेह होने पर निम्न मो. नं. पर संपर्क करें-9885५२XXX

OR

200 ग्राम केवल 40 रूपये में

सुस्ती हटाए, ताज़गी लाए

चंचल चाय के संग

भर लो जीवन में उमंग।

चंचल चाय **सबकी पहली पसंद** **एक अच्छी सुबह के लिए**

17. **मैं और मेरी लेखनी**

आज अलमारी की सफाई करते हुए हमें वह लेखनी मिली जो मुझे मेरे पिताजी ने उस समय भेटस्वरूपी थी जब कक्षा 6 में मैंने कलम से लिखना शुरु किया था, कलम के हाथ में आते ही मुझे महसूस हुआ कि मानो मेरी लेखनी मुझसे कह रही कि मैं उसे भूल गई हो, आज मेरे पास रंग-बिरंगे तरह-तरह के कलम है, लेकिन इस लेखनी के आगे मुझे सब फीके-फीके लग रहे थे। उस लेखनी का जादू सिर पर चढ़कर बोल रहा था क्योंकि उसी लेखनी से परीक्षा देकर ही मन कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त किए थे। मैंने उसे हाथों के स्पर्श से सहलाया उसकी धूल पोंछी और दवात से स्याही निकाली और उसमें डाल दी, स्याही पड़ते ही मैने अपना गृहकार्य किया। आज उस कलम से लिखे हुए शब्द मुझे ऐसे प्रतीत हुए कि मानो मैंने उस कलम की नाराजगी दूर कर दी और वह फिर से मुस्कराने लगी। मुझे विश्वास हो गया कि मैं और मेरी लेखनी मिलकर फिर चमत्कार करेंगे और जीवन में नयी उपलब्धियाँ प्राप्त करेंगे।

OR

नारी का संघर्ष

मैं एक स्त्री हूँ। मेरा नाम कोई मायने नहीं रखता है। आज मैं आपको अपने संघर्ष की कथा सुनाना चाहती हूँ, जो कि एक माता के गर्भ से आरंभ हो जाता है और जीवनपर्यन्त चलता है। जन्म से पहले ही हम में से कइयों को गर्भ में ही मार दिया जाता है। लेकिन मेरा जन्म हुआ। उसके बाद जब मैं बड़ी हुई तो मैंने ध्यान दिया कि समाज में लड़कों के लिए कुछ अलग नियम हैं और लड़कियों के लिए कुछ और नियम।

फिर मेरा जीवन आगे बढ़ा, मैंने सोचा कि अब सारी कठिनाइयों का अंत हो जाएगा। लेकिन नहीं, कुछ बड़ी होने पर समाज के कुछ तथाकथित मर्दो ने मेरा शोषण करना चाहा, मैंने मदद की गुहार की लेकिन कोई नहीं आया और मेरा पूरा जीवन इसी तरह के अनेक शोषणों के खिलाफ संघर्ष में बीत गया।

अंततः मैं एक बात समझ गई कि इस देश में सिर्फ पत्थर की देवियों की पूजा होती है और जो जीवित हैं उनका तो सम्मान भी नहीं होता है।